भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001

फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2021** दिनांक **Date: 16.08.2021**

YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

कृषकों से निवेदन है कि कृषि कार्य के संयोजन में स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार या स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करें .

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह @Advisory for Soybean Farmers
(16-22अगस्त / 16-22 August 2021)

अ. कीट/रोग/सूखा प्रबंधन बाबत सम-सामायिक सलाह

1	मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ जिलों में बारिश नहीं होने के कारण लगभग 15-20 दिन के सूखे से फसल प्रभावित हुई हैं. ऐसी स्थिति में सलाह हैं कि अपने खेत में नमी बनाये रखने के लिए दरारे पड़ने से पहले ही फसल में सिंचाई करें या अनुशंसित एन्टीट्रांस्पिरेन्ट जैसे पोटेशियम नाइट्रेट (1%) **या** मेग्नेशियम कार्बोनेट अथवा ग्लिसरॉल (5%) का छिड़काव कर सकते हैं. Certain areas of Madhya Pradesh and Maharashtra are experiencing drought since last 15-20 days affecting the growth of soybean crop. It is therefore advised to follow measures for maintaining the soil moisture including need based irrigation or spray of anti-transpirants like Potassium Nitrate (@1%) or magnesium carbonate/glycerol (@5%)	
2	सोयाबीन की फसल में सूखे से बचाने या स्प्रिंकलर से सिंचाई करें या कीट-रोग प्रबंधन हेतु आवश्यकतानुसार अनुशंसित रसायनों का छिडकाव अवश्य करें भले ही सोयाबीन फूल की अवस्था में हों. Farmers are advised to apply sprinkler irrigation during drought or spray of recommended chemicals even at flowering stage.	
3	ऐसे किसान जिन्होंने देरी से पक्नेवाली कुछ किस्मे लगाईं हैं एवं वर्तमान में फूल लगने की अवस्था में हैं, इल्लियों द्वारा फूलों के खाने से अफलन की स्थिति से बचाने हेतु सलाह हैं की लैम्ब्डा सायहलोथ्रिन 4.90 सी.एस. (300 मिली/हे.) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई .सी. (333मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. (150 मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7 एस.सी 450 मि.ली. या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मिली/हे) का छिडकाव करें. Farmers having long duration soybean varieties at flowering stage are advised to spray the crop with Lambda-cyhalothrin 4.90 % CS (300 ml/ha) or Indoxacarb 15.8EC (333 ml/ha) or Flubendiamide 39.35 SC (150 ml/ha) or Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) or Chlorantraniliprol 18.5 SC (150 ml/ha) in order to protect their crop from flower damage leading to likely situation of non-podding.	

4	मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्र, जहा पर सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्म जे.एस. 95-60 की बोवनी जून के द्वितीय –तृतीय सप्ताह में हुई हैं, सबसे पहले परिपक्वता के लिए अग्रसर हैं. ऐसी स्थिति में सोयाबीन की फलिया टूटकर/कटकर गिरने के समाचार प्राप्त हुए है जो कि प्राथमिक तौर पर चूहें के आक्रमण से प्रतीत होता हैं. कृषकों को सलाह हैं की चूहें के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध विष-प्रलोभक (पाइजन बेट) जैसे बिस्कुट/केक आदि या जिंक फास्फाइड मिले आटे की गोलियों को खेत के मेड/चूहें के बिल के पास रखे. Certain areas of Madhya Pradesh having early maturing soybean variety JS 95-60, sown in the second/third week of June is nearing seed filling stage. In such areas, pod drop/cuts on the pod (see picture) have been reported. This is likely damage by the rats. Therefore farmers are advised to manage the rats using various means such as poison bets like biscuits/cake or balls made from wheat/gram flour containing zinc phosphide near the rat holes.	
5	चक्र भृंग के नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मिली/हे या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1250 मि.ली/.है) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425 मिली/है.) का 500 लीटर पानी के साथ 1 हेक्टेयर में छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें. For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant part as well as spraying with Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) or Profenophos 50 E.C. (1.25 l/ha) or Emamectin Benzoate 1.9% E.C. (425 ml/ha) using 500 liter of water.	 Damage Symptoms of Girdle Beetle चक्र भृंग के लक्षण
6	चक्र भृंग तथा पत्ती खानेवाली इल्लियों के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्वमिश्रित कीटनाशक नोवाल्युरौन + इन्डोक्साकार्ब (850 मिली/है) या बीटासायफ्लुथ्रिन +इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम़ + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/.है) का छिडकाव करें. इनके छिडकाव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता हैं. For control of girdle beetle as well as defoliators simultaneously, farmers are advised to apply Spray of pre-mix insecticide Novaluron 5.25% + Indoxacarb 4.5% SC @ 850 ml/ha or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) or Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This is also useful in controlling the infestation of Stem Fly.	 Green Semilooper Tobacco Caterpillar Gram Pod Borer
7	जहा पर केवल चने की इल्ली (*हेलिकोवेर्पा अर्मिजेरा*) का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रैप (हेलील्युर) लगाये तथा अनुसंशित कीटनाशक लैम्ब्डा सायहलोथ्रिन 4.90 सी.एस. (300 मिली/हे.) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई .सी. (333मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मिली/हे) का छिडकाव करें.	

	Farmers are advised to control the gram pod borer (*Helicoverpa armigera*) using specific pheromone trap (Helilyur) and spraying of recommended chemicals like Lambda-cyhalothrin 4.90 % CS (300 ml/ha) or Indoxacarb 15.8EC (333 ml/ha) or Flubendiamide 39.35 SC (150 ml/ha) or Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) or Chlorantraniliprol 18.5 SC (150 ml/ha).	
8	जिन क्षेत्रो में तना मक्खी का प्रकोप हो, इसके नियंत्रण हेतु या बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम़ + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/.है) का छिडकाव करें. For control of stem fly farmers are advised to apply the spray of Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha).	
9	कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल पर कही-कही पिला मोज़ेक वायरस या कही-कही सोयाबीन मोज़ेक वायरस के लक्षण देखे गए हैं. पिला मोज़ेक वायरस से ग्रसित पौधों में सोयाबीन की उपरी पत्तियों पर पीले रंग के चितकबरे पीले-हरे धब्बे बनते है। (छायाचित्र देखे)। पत्तियों का यह पीलापन धीरे-धीरे बढ़कर फैलने लगता है तथा पत्तियां सिकुड़ कर टेढ़ी-मेढ़ी हो जाती है। इसको अन्य स्वस्थ पौधों पर फ़ैलाने के लिए सफ़ेद मक्खी वाहक का कार्य करती हैं. जबकि सोयाबीन मोज़ेक वायरस में सोयाबीन की उपरी पट्टियां चमड़े के जैसी होकर गहरे हरे रंग में परावर्तित होती हैं (छायाचित्र देखे). इस बीमारी को अन्य स्वस्थ पौधों पर फ़ैलाने के लिए माहू (एफिड) वाहक का कार्य करते हैं. Symptoms of Yellow Mosaic and/or Soybean Mosaic infection caused by virus has been seen in certain districts of Madhya Pradesh and Maharashtra. In case of YMV, small yellow patches or spots appear on young leaves initially. The yellow discoloration slowly increases and newly formed leaves may completely turn yellow. Infected leaves also show severe mottling and crinkling of leaves. While, In case of Soybean Mosaic the lettering of leaves blades become puckered along with veins and curled downward. The disease is further transmitted through Aphids.	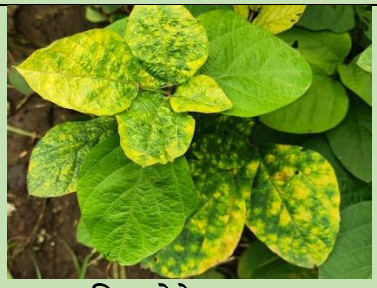 **पिला मोज़ेक वायरस** सोयाबीन मोज़ेक वायरस
	इन दोनों वायरस जनित रोगों के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि प्रारंभिक अवस्था में ही ग्रसित पौधों को उखाड़कर तुरंत खेत से निष्काषित करें तथा सफ़ेद मक्खी व एफिड जैसे रस चूसने वाले इन वाहक कीटों के नियंत्रण हेतु अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. यह भी सलाह हैं कि रोग-वाहकों की रोकथाम हेतु अनुशंसित पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे) का छिड़काव करें. (इन दवाओं के छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है) For control of YMV as well as SMV diseases, farmers are advised to destroy the affected plant/part immediately in the initial stage and install Yellow Sticky Traps at different locations in the field. It is also advised to spray the crop with Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiomethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha). These chemicals are also useful for control of stem fly infestation.	

10	कुछ क्षेत्रों की सोयाबीन फसल में एन्थ्राक्नोज तथा रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों के लक्षण देखे गए हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं की टेबूकोनाजोल (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल+सल्फर (1 किग्रा/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20 डब्लू.जी. (500 ग्राम/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्सीकोनाजोल (750 मिली/हा) या फ्लुक्सापायरोक्साड (300 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल + ट्रायफ्लोक्सीस्ट्रोबिंन 350 ग्रा /हे का छिडकाव करें. An infestation of Anthracnose and Rhizoctonia Aerial Blight has been noted in certain areas. Farmers are advised to spray the crop with Tebuconazole (625 ml/ha) or Tebuconazole + Sulphur (1 kg/ha) or Pyroclostrobin 20 WG (500 g/ha) or Pyroclostrobin + Epoxiconaxole (750ml/ha) or Fluxapyroxad + Pyroclostrobin (300 ml/ha) or Tebuconazole+Trifloxystrobin (350 g/ha).	 रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट **Rhizoctonia Aerial Blight** एन्थ्राक्नोज **Anthracnoxse**
11	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु “T” आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है. Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	 “T” shaped Bird Perches
12	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो. While purchasing any Agri-input, always obtain a *pucca bill* from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	